शिक्षा का संकुचित अर्थ (Narrower Meaning of Education)

संकुचित रूप में स्कूली शिक्षा को ही शिक्षा कहते हैं। इस प्रकार की शिक्षा को एक प्रकार से औपचारिक शिक्षा (Formal Education) भी कह सकते हैं। इस रूप में वयस्क वर्ग एक एवं निश्चित योजना के अनुसार बालक के सामने एक विशेष प्रकार के नियन्त्रित वातावरण को प्रस्तुत करके एक निश्चित ज्ञान को निश्चित विधि के द्वारा

Scanned with CamScanner

नियोजित, क्षेत्र सीमित, बौद्धिक विकास पर बल तथा व्यक्तित्व एवं व्यवहार के विकास पर बल नहीं देता। निश्चित काल में समाप्त करने का प्रयास करता है जिससे उसका मानसिक विकास हो सके। शिक्षा के इस अर्थ में शिक्षक का स्थान मुख्य होता है तथा बालक गौण। ऐसे ज्ञान को प्राप्त करके बालक तोता तो अवश्य बन जाता है, परन्तु उसका सर्वांगीण विकास नहीं हो पाता। दूसरे शब्दों में, संकुचित अर्थ के अनुसार शिक्षा बालक की स्वतंत्रता का गला घोंट कर उसके स्वाभाविक विकास को एक चुनौती है।

John Stuart Mill के शब्दों में – "शिक्षा के द्वारा एक पीढ़ी के लोग दूसरी पीढ़ी के लोगों में संस्कृति का संक्रमन करते हैं ताकि वे उसका संरक्षण कर सके और यदि सम्भव हो तो उसमें उन्नति भी कर सके।"

- S.S Mackenzie – "संकुचित अर्थ में शिक्षा का अर्थ हमारी शक्तियों के विकास तथा सुधार के लिए चेतनापूर्वक किये गये किसी भी प्रयास से हो सकता है।"

- Prof Drever – "शिक्षा एक प्रक्रिया है, जिसमें तथा उसके द्वारा बालक के ज्ञान, चरित्र तथा व्यवहार को विशेष सांचे में ढाला जाता है।

G.H Thomson :– "शिक्षा एक विशेष प्रकार का वातावरण है जिसका प्रभाव बालक के चिन्तन, दृष्टिकोण तथा व्यवहार करने की आदतों पर स्थायी रूप से परिवर्तन के लिए डाला जाता है।

Scanned with CamScanner

शिक्षा का व्यापक अर्थ (Wider/ Broader meaning of Education)

व्यापक दृष्टि में शिक्षा का अर्थ बालक के उन सभी अनुभवों से है जिसका प्रभाव उसके ऊपर जन्म से लेकर मृत्यु तक पड़ता है। अर्थात् शिक्षा जीवन-पर्यन्त चलने वाली प्रक्रिया है। ऐसी शिक्षा किसी विशेष व्यक्ति, स्थान अथवा देश तक ही सीमित नहीं रहती अपितु जिन व्यक्तियों के सम्पर्क में आकर बालक जो कुछ भी सीखता है, वे सब उसके शिक्षक हैं, जिन्हें वह सिखाता अथवा सिखाने का कार्य चलता है, वह स्कूल है। इसके अन्तर्गत वह सभी प्रकार का ज्ञान तथा अनुभव आ जाता है, जो बालक वृद्धि पाते हुए अपने शैशव, बचपन, यौवन अथवा वृद्धावस्था में स्कूल, घर, समाज आदि साधनों से प्राप्त करता है। इस प्रकार की शिक्षा को अनौपचारिक (Non-Formal) कह सकते हैं। इसमें व्यक्ति या बालक स्वेच्छा से जीवन के अनेक क्षेत्रों यथा - घर, परिवार, समाज, चलचित्र, नाटक, समाचार-पत्र, आदि साधनों से ज्ञानोपार्जन करता है।*

शिक्षा के व्यापक अर्थ को और अधिक स्पष्ट करने के लिए हम कुछ अन्य विद्वानों के विचारों पर निम्नलिखित पंक्तियों में प्रकाश डाल रहे हैं:-

Scanned with CamScanner

यह व्यक्तित्व के सम्पूर्ण विकास से सम्बन्धित है। यदि इस व्यापक अर्थों में लें तो एक सामान्य व्यक्ति भी जीवनपर्यन्त शिक्षा लेता रहता है।

लॉज (Lodge) :- "विस्तृत अर्थों में यह कहा जा सकता है कि मानव सभी प्रकार के अनुभवों से कुछ सीख जाता है।

M.K Gandhi :- "शिक्षा का अर्थ, मैं बालक अथवा मनुष्य में आत्मा, शरीर और बुद्धि के सर्वांगीण और सबसे अच्छे विकास से समझता हूँ।

Dumvile :- "शिक्षा के व्यापक अर्थ में वे सभी प्रभाव आ जाते हैं, जो व्यक्ति को जन्म से लेकर मृत्यु तक प्रभावित करते हैं।

शिक्षा का विश्लेषणात्मक अर्थ (Analytical Meaning of Education)

शिक्षा के अर्थ को और अधिक स्पष्ट करने के लिए इसके अर्थ सम्बन्धी विभिन्न तत्वों पर निम्नलिखित पंक्तियाँ हैं :-

1. शिक्षा केवल स्कूल में दिये जाने वाले ज्ञान तक सीमित नहीं (Not Limited to Knowledge Imparted in Schools)
2. शिक्षा बालकों की जन्मजात शक्तियों के विकास के रूप में (Education as the Development of Child's Innate Powers)

एडिसन का मत है - "शिक्षा के द्वारा मानव के अन्दर में निहित उन सभी शक्तियों तथा गुणों का दिग्दर्शन होता है, जो बिना शिक्षा की सहायता के बिना अन्दर से बाहर ... है।"

3. शिक्षा एक गतिशील प्रक्रिया के रूप में (Education as a Dynamic process)

4. शिक्षा एक द्विमुखी प्रक्रिया के रूप में (Education as a Bipolar process) :- इसमें शिक्षा के मनोवैज्ञानिक पक्ष को माना जाता गया है।
एडम्स के अनुसार दो धुरियाँ (pole) - i) शिक्षक ii) बालक

5. शिक्षा - त्रिमुखी (Tripolar) प्रक्रिया के रूप में -
- इसमें जॉन डीवी ने शिक्षा के मनोवैज्ञानिक तथा सामाजिक पक्षों (दोनों के) माना है।
इनके तीन अंग - i) बालक ii) शिक्षक iii) पाठ्यक्रम
जो दोनों धुरियों को मिलाता है।

शिक्षा का वास्तविक अर्थ (True/Real Meaning of Education)

शिक्षा के आधिक, संकुचित, व्यापक तथा विश्लेषणात्मक अर्थों में से किसी भी अर्थ को शिक्षा का वास्तविक अर्थ नहीं कहा जा सकता। शिक्षा एक ऐसी प्रक्रिया है जिसके द्वारा जीवन का सच्चा आनन्द लिया जा सकता है। अतः यदि बालक को एक सुखी, सम्पन्न तथा प्रसन्न जीवन का आनन्द लेने के योग्य बनाना है तो शिक्षा के संकुचित तथा व्यापक दोनों ही अर्थों का समन्वय करना होगा।

Scanned with CamScanner

* दूसरे शब्दों में शिक्षा जीवन-पर्यन्त चलनेवाली एक ऐसी प्रक्रिया है जो मनुष्य की जन्मजात शक्ति के स्वाभाविक और सामंजस्यपूर्ण विकास में योग देती है. उसकी वैयक्तिकता का पूर्ण विकास करती है।

दोनों अर्थों के प्रगतिशील समन्वय स्थापित हो जाने से शिक्षा ऐसी प्रक्रिया के रूप में उपस्थित हो जाती है जो चेतना अथवा अचेतन रूप से बालक की व्यक्तिगत रुचियों, क्षमताओं, योग्यताओं तथा सामाजिक आदर्शों को ध्यान में रखते हुए आवश्यकतानुसार स्वतन्त्रता प्रदान करके उसका बौद्धिक, सामाजिक, सांस्कृतिक तथा आध्यात्मिक विकास करती है एवं उसके व्यवहार में इस प्रकार से परिवर्तन करती है कि व्यक्ति तथा समाज दोनों ही उन्नति के शिखर पर चढ़ते रहें।

*

Scanned with CamScanner